नहीं है ? ऐसी कितनी ओपन यूनिवर्सिटीज़ हैं और इन ओपन यूनिवर्सिटीज़ की आर्थिक और प्रशासनिक स्थिति को सुधारने के लिए सरकार की तरफ से क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

डा० मुरली मनोहर जोशी : सभापति जी, इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी को छोड़कर शेष सब ओपन यूनिवर्सिटीज़ राज्य सरकारों की हैं। इस संबंध में सम्मानित सदस्य यदि मुझे कोई जानकारी देंगे तो मैं संबंधित राज्य सरकारों को भेजकर उनसे आग्रह करूंगा कि वे उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करें।

SHRI K. NATWAR SINGH : Sir, the hon. Minister mentioned about the satellite channel which would link the Indira Gandhi National Open University. I want to know from the hon. Minister when will this be operational.

DR. MURLI MANOHAR JOSHI : Sir, this has been accepted in principle; and has now been accepted by the ISRO also. They are on the job. But, this requires a very strong infrastructure in the various States. We are talking with the States and their machinery to give us a firm commitment about these stations to receive signals and to transmit them in future. We can provide a satellite, we can provide the courses; but, the job of transmitting them has to be supported by the State Governments. So, as soon as this infrastructure is ready, this will be done; and, I hope that some of the States have shown very keen interest in it; and they are now estimating about the cost and the proper places where these transmitting centres would be established. As soon as this report is received, it will be done.

*506. [The Questioner (Shri S.S. Ahluwalia) was absent. For answer *vide* pages 39-40 *infra.*]

Damaged Rail Lines

*507. SHRI AHMED PATEL : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) total length of metre gauge rail lines in terms of route kilometres in Gujarat at present;

(b) what are the area-wise details of such lines;

(c) whether some of these lines are lying damaged for quite long;

(d) if so, the details thereof; and

(e) what steps Government propose to take to rebuild and restore these lines in the State?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI NITISH KUMAR) : (a) to (e) A Statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) The total length of Metre Gauge Rail lines (route kilometres) in Gujarat is 2345 kilometres as on 31-3-2002 (latest available).

(b) Area-wise details of route kilometres within a State are not maintained.

(c) No, Sir.

(d) and (e) Does not arise.

श्री अहमद पटेल : सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने अपने उत्तर में बताया है कि गुजरात में अभी तक 2,345 किलोमीटर लाइन मीटर गेज है। महोदय, 1991-1992 में यूनीगेज प्रोजेक्ट आरंभ किया गया था। मुझे नहीं मालूम कि वह टाइम बाऊंड प्रोग्राम था या नहीं, उसके लिए कोई समय सीमा निर्धारित की गई थी या नहीं लेकिन उसका असली मकसद यह था कि इंटिग्रेटेड ब्रॉडगेज नैटवर्क पूरे देश में बिछाया जाए। उसी के तहत दिल्ली-अजमेर-पालनपुर-अहमदाबाद मीटर गेज का आमान परिवर्तन किया गया था लेकिन पालनपुर और गांधीधाम, जो लिंक ट्रंक रूट से आ रही थी, वह आइसोलेट हो गई। इसकी वजह से इंडस्ट्रीज और दूसरा जो ट्रैफिक है, या तो उसको लंबे रूट से जाना पड़ता है, ब्रॉडगेज रूट से जाना पड़ता है या फिर पालनपुर से बदलना पड़ता है। मैं माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि यह जो पालनपुर-गांधीधाम मीटर गेज रेलवे लाइन है, उसका आमान परिवर्तन करने के लिए क्या आपके पास कोई योजना है यदि योजना है तो वह कब तक पूरी होगी? अगर नहीं है तो उसके कारण क्या हैं?

श्री नीतीश कुमार : सभापति महोदय, गांधीधाम-पालनपुर परियोजना एक महत्वपूर्ण परियोजना है। यह स्वीकृत हो गई है और इसे राष्ट्रीय रेल विकास योजना का अंग बना दिया गया है। इसलिए इसको काफी प्राथमिकता मिलेगी और इस पर हम लोगों ने काम भी आरंभ कर दिया है।

श्री अहमद पटेल : प्राथमिकता तो मिलेगी लेकिन यह कब तक कंपलीट हो जाएगी? महोदय, यह प्रश्न मीटर गेज से संबंधित है लेकिन आपकी अनुमति से मैं यह सवाल पूछना चाहता हूं और मैं समझता हूं कि मंत्री जी को भी नैरो गेज लाइन पर आधारित प्रश्न का

जवाब देने में कोई आपत्ति नहीं है। मेरा प्रश्न यह है कि अंकलेश्वर-राजपिपला-कोसम्बा-उमरपाड़ा-दबोई-बोडेली-छोटा उदयपुर लाइन, पिछले कई सालों से यह लाइन बंद पड़ी हुई है। बारिश हुई, बाढ़ आई, उसकी वजह से पूरी लाइन बंद पड़ी है। उसके बाद बार-बार रिप्रैजेंटेशन दिए गए, हाऊस में भी आश्वासन दिया गया। महोदय, 4 दिसंबर, 1998 को मेरे स्टार्ड क्वेश्चन 93 के उत्तर में भी इस बारे में आश्वासन दिया गया। मैं आपका आभारी हूं कि आपने इसके बारे में अफसरों की मीटिंग बुलाई और उन्हें इंस्ट्रक्शन्स भी दी कि वे इस बारे में रिपोर्ट सबमिट करें। मैं यह जानना चाहूंगा कि ये जो तीनों लाइनें ट्राइबल एरियाज़ में हैं, इनको रेस्टोर करने के लिए क्या स्टैप्स उठाए गए हैं और कब तक ये लाइनें रेस्टोर हो जाएंगी?

श्री नीतीश कुमार : सभापति महोदय, कोसम्बा-उमरपाड़ा लाइन जून, 1994 से बंद है, अंकलेश्वर-राजपिपला लाइन भी जून, 1994 से बंद है, बोडेली-छोटा उदयपुर लाइन अगस्त, 1990 से बंद है। ये लाइनें बाढ़ के कारण बंद हैं। माननीय सदस्य ने इसमें लगातार दिलचस्पी ली है और अभी हाल ही में इनके साथ हमारी बैठक भी हुई है। मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि इन लाइनों को रेस्टोर कर दिया गया है और अब इन तीनों रेलखंडों पर ट्रेन सेवा एक जुलाई, 2003 से आरंभ हो जाएगी।

*508 [The Questioner (Shri Munavvar Hassan) was absent. For answer *vide* pages 40-41 *infra*.]

*509 [The Questioners (Shri Ram Jethmalani and Shri Lajpat Rai) were absent. For answer *vide* pages 41-42 *infra*.]

*510 [The Questioner (Dr. Akhilesh Das) was absent. For answer *vide* pages 42-43 *infra*.]

Anganwadi Centres in Rajasthan

*511. SHRI AIMADUDDIN AHMAD KHAN (DURRU) : Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) whether Government have approved the special proposal for the construction of Anganwadi Centres in the State of Rajasthan under the Integrated Child Development Service Scheme and whether any additional funds have been allocated therefor;

(b) if so, the details thereof; district-wise; and

(c) by when, these Anganwadi Centres are likely to be functional?